मौखिक

2. कम-से-कम शब्दों में उत्तर दीजिए।

क) पेड़ के ऊपर क्या था?

उ-> पेड़ के ऊपर चिड़िया का घोंसला था।

ख) घोंसले में कितने अंडे रखे थे?

उ-> घोंसले में दो अंडे थे।

ग) पेड़ को ज़ोर से हिलाने पर चिड़िया का क्या हुआ?

उ-> पेड़ को जोर से हिलाने पर चिड़िया का घोंसला गिर गया और अंडे टूट गए।

घ) चींटी ने चिड़िया से क्या वादा किया?

उ-> चींटी ने चिड़िया से यह वादा किया कि वह हाथी को ज़रूर मज़ा चखाएगी।

लिखित

1. सही वाक्य पर (✓) का और गलत वाक्य पर (x) का निशान लगाइए।

क) चिड़िया ने हाथी को बहुत समझाया। (✓)

ख) हाथी ने चींटी का मज़ाक उड़ाया। (✓)

ग) चिड़िया के अंडे टूटे नहीं थे। (x)

घ) चींटी ने हाथी से बदला लिया। (✓)

2. निम्नलिखित शब्दों की सहायता से रिक्त स्थान भरिए

क) संसार में हर बड़े आकार का प्राणी अपने आपको बलवान समझता है।

ख) पेड़ के ऊपर चिड़िया का घोंसला था।

ग) मायूस चिड़िया पेड़ की डाल पर बैठ कर रोने लगी।

घ) चींटी ने हाथी को सबक सिखाया।

3. जोड़े बनाइए।
क) पेड़ के ऊपर चिड़िया का घोंसला था।
iii) चिड़िया का घोंसला था।

ख) चींटी ने चिड़िया से रोने का कारण पूछा
v) रोने का कारण पूछा।

ग) हाथी बेचारा दर्द से तड़प उठा।
iv) तड़प उठा

घ) विशाल आकार होने से प्राणी बलवान नहीं होता है।

4) बलवान नहीं होता है।

4. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

क) हाथी अपने शरीर को किससे रगड़ रहा था?
उ-) हाथी अपने शरीर को एक पेड़ के तने से रगड़ रहा था।

ख) घोंसले में क्या रखा था?
उ-) घोंसले में चिड़िया के दो अंडे रखे थे।

ग) चिड़िया क्यों रोने लगी?
उ) अंडे टूटने से चिड़िया रोने लगी।

घ) हाथी ने किसका मज़ाक उड़ाया?
उ-) हाथी ने चींटी का मज़ाक उड़ाया।

5. ~~लिख~~ निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर विस्तारपूर्वक लिखिए।

क) चींटी ने ~~ह~~ हाथी से कैसे बदला लिया?
उ-) हाथी ने चींटी ~~क~~ का मज़ाक उड़ाया था। यह चींटी को अच्छा नहीं लगा। चींटी चिड़िया से भी वादा किया था कि हाथी को सबक सिखाएगा। मन ही मन हाथी को सबक सिखाने की ~~ठ~~ ठानी। चींटी पास ही एक झाड़ी में छिप गई और मौका देखते

ही चुपके से हाथी की सूंड में घुस गई।
फिर उसने हाथी को काटना शुरू कर दिया।
हाथी परेशान हो उठा। उसने सूंड को ज़ोर-ज़ोर से हिलाया, लेकिन कोई फ़ायदा नहीं हुआ। हाथी दर्द से कराहने और रोने लगा। यह देख चींटी ने कहा कि "हाथी भइया, आप दूसरों को परेशान करते हो, तो बड़ा मज़ा लेते हो, तो अब खुद क्यों परेशान हो रहे हो?"
हाथी को अपनी गलती का एहसास हो गया, और उसने चींटी से माफ़ी मांगी कि आगे से वो कभी किसी को नहीं सताएगा।
चींटी को उस पर दया आ गई। वो बाहर आकर बोली कि कभी किसी को छोटा और कमज़ोर नहीं समझना चाहिए।
यह सुन हाथी बोला कि मुझे सबक मिल चुका है। मुझे अच्छी सीख दी तुमने। अब हम सब मिलकर रहेंगे और कोई किसी को परेशान नहीं करेगा। इस तरह चींटी ने हाथी से बदला लिया।

ख) उ-) अहंकारी हाथी से डरकर सामना न करना चिड़िया की भूल थी, जबकि चींटी ने समझदारी का परिचय दिया।

- साधारण रूप में कह सकते हैं कि आकार में बड़ा होने से ही कोई बलवान नहीं हो जाता।
- अच्छे कर्म ही प्राणी को बड़ा बनाते हैं। चींटी को

चिड़िया से सहानुभूति दिखाना व उसके लिए हाथी को सबक सिखाना उसकी सहृदयता को दर्शाता है जो हमें अच्छे कर्म करने की प्रेरणा देता है।

घमंडी का सिर सदा नीचे होता है। कभी किसी को कमज़ोर और छोटा न समझे। दूसरों के दर्द और तकलीफ़ को समझना ही जीने का सही तरीका है।

भाषा-ज्ञान

1) चींटी - चींटियाँ
अंडा - अंडे
लड़की - लड़कियाँ
घोंसला - घोंसले
तितली - तितलियाँ
बच्चा - बच्चे
चिड़िया - चिड़ियाँ
तना - तने

2. क) चींटियाँ जाती हैं।
ख) घोंसले में अंडा है।